हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 12 अक्टूबर 2026

11 श्रवण लीला में दिखा माता-पिता का त्याग, दशरथ को मिला श्राप



12 नशे के खिलाफ युवाओं ने दौड़ लगाकर दिया संदेश



खबर संक्षेप

साढ़े 16 लाख की ठगी में तीन आरोपी काबू

फतेहाबाद। साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद की पुलिस टीम ने 16 लाख 89 हजार रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान यूपी के आगरा के रहने वाले रितेश पुत्र गोपाल, मृत्युंजय पुत्र रणवीर सिंह और ऋषि निगम पुत्र राकेश के रूप में हुई है।

हाइवे पर अवैध पिस्तौल के साथ आरोपी पकड़ा

फतेहाबाद। अवैध हथियारों और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स सेल फतेहाबाद की टीम ने एक युवक को 32 बोर की अवैध पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान राहुल उर्फ दीपू उर्फ बंदूक पुत्र राजेंद्र सिंह, निवासी ढाणी बड़ोपल, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है।

हेरोइन बरामदी में मुख्य सप्लायर सोनू काबू

फतेहाबाद। नशा तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर टोहाना की पुलिस टीम ने 5.92 ग्राम हेरोइन बरामदगी के मामले में संलिप्त मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सोनू कुमार पुत्र नरेश उर्फ नेशा, निवासी वार्ड नंबर 11, वाल्मीकि बस्ती, किल्ला मोहल्ला, टोहाना के रूप में हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक संदीप ने बताया कि 19 सितंबर को सीआईए टोहाना की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की ।

24 बोतल अवैध शराब सहित आरोपी धरा

सिरसा। जिला पुलिस द्वारा अवैध शराब खुर्दा संचालकों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए रानियां थाना पुलिस ने एक व्यक्ति को 24 बोतल अवैध शराब सहित काबू किया है। रानियां थाना प्रभारी ने बताया कि थाना की एक पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव मेहनाखेड़ा क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सामने से एक व्यक्ति अपने हाथ में प्लास्टिक का कट्टा लिए हुए आता हुआ दिखाई दिया।

युवक 1150 रुपये की सट्टाराशि सहित काबू

सिरसा। रोड़ी थाना पुलिस ने गश्त व चैकिंग के दौरान रोड़ी क्षेत्र में सार्वजनिक जगह पर सट्टा खाईवाली करने वाले एक युवक को 1150 रुपए की सट्टाराशि सहित काबू किया है। रोड़ी थाना प्रभारी ने बताया कि थाना की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव रोड़ी क्षेत्र में मौजूद थी। इस दौरान पुलिस पार्टी को महत्वपूर्ण सूचना मिली कि एक युवक सार्वजनिक जगह पर सरेआम नंबरों पर पैसे लगवाकर सट्टा खाईवाली कर रहा है।

मौसम विभाग ने 16 अक्टूबर तक उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने की जताई संभावना

मौसम ने बढ़ाई किसानों की धड़कने, मंडियों में पड़े 76 हजार टन धान के भीगने का खतरा

खुले आसमान के नीचे पड़ी फसल को तिरपाल से ढकने में जुटे आढ़ती

जिले में अब तक 81,179 मीट्रिक टन धान में से मात्र 4,445 टन का उठान

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

आसमान में छाए बादल, तेज हवाएं और रुक-रुककर हुई बूंदाबांदी ने रविवार को किसानों की चिंता बढ़ा दी। महीनों की मेहनत से तैयार धान की फसल मंडियों में खुले आसमान के नीचे पड़ी है और मौसम विभाग ने 16 अक्टूबर तक मौसम परिवर्तनशील रहने तथा कई इलाकों में बारिश की संभावना जताई है। ऐसे में किसानों को डर है कि बारिश हुई तो उनकी फसल भीगने से गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर, खरीद और उठान की सुस्त रफ्तार के चलते मंडियों में धान का ढेर लगातार बढ़ रहा है। हालात यह हैं कि जिले में 81,179 मीट्रिक टन धान की आवक हो चुकी है, लेकिन इसमें से 76,734 मीट्रिक टन धान अभी तक मंडियों से उठाया नहीं गया है। इसमें 50,757 मीट्रिक टन बिना बिका धान और 25,977 मीट्रिक टन खरीदा गया धान शामिल है।

रविवार सुबह मौसम का रुख बदलते ही आढ़तियों ने मंडियों में पड़ी फसल को तिरपाल से ढकना शुरू कर दिया। रविवार को सरकारी खरीद बंद रहने के कारण खरीद एजेंसियों ने उठान का काम तेज किया, लेकिन अब तक कुल खरीदे गए 30,422 मीट्रिक टन धान में से केवल 4,445 मीट्रिक टन का ही उठान हो पाया है। यानी खरीदे गए धान का करीब 15 प्रतिशत ही मंडियों से बाहर पहुंचा है। ऐसे में बारिश होने पर बिना बिके धान के साथ खरीदे गए धान को सुरक्षित रखना भी बड़ी चुनौती होगा। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, जिले की मंडियों में अब तक 81,179 मीट्रिक टन धान पहुंच चुका है। इसमें से 30,422 मीट्रिक टन की सरकारी खरीद हुई है, जबकि 50,757 मीट्रिक टन धान अभी बिक्री का इंतजार कर रहा है। खरीदे गए धान में से 25,977 मीट्रिक टन का उठान बाकी है। इस तरह मंडियों में कुल 76,734 मीट्रिक टन धान बिना उठान के पड़ा है। मौसम खराब होने की स्थिति में इतनी बड़ी मात्रा में फसल को सुरक्षित रखना आसान नहीं होगा।



फतेहाबाद। बरसात के आसार के चलते तिरपाल से ढकी धान की ढेरियां। फोटो: हरिभूमि



फतेहाबाद। मंडी से धान की हो रही लिफ्टिंग। फोटो: हरिभूमि

16 तक मौसम परिवर्तनशील रहने के आसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 13 अक्टूबर तक मौसम में बदलाव बना रह सकता है। इसके बाद 14 से 16 अक्टूबर के दौरान प्रदेश में ज्यादातर स्थानों पर आंशिक बादल छाने तथा कहीं-कहीं हवाओं और गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के अनुसार, इससे तापमान में और गिरावट आ सकती है। इसके बाद मौसम खुश्क होने तथा उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने के आसार हैं। अब किसानों की निगाहें आसमान के साथ-साथ खरीद एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर भी टिकी हैं। बारिश से पहले धान को ढकने और खरीदे गए स्टॉक का उठान करने में कितनी तेजी दिखाई जाती है, यही तय करेगा कि किसानों की मेहनत से तैयार फसल कितनी सुरक्षित रह पाती है।

लिफ्टिंग की सता रही चिंता

खरीदे गए धान के उठान की स्थिति भी चिंता बढ़ा रही है। फतेहाबाद मंडी में 2,953 मीट्रिक टन धान का उठान हुआ है, जबकि 7,640 मीट्रिक टन अभी उठाया जाना बाकी है। रतिया में 478 मीट्रिक टन उठान के मुकाबले 6,698 मीट्रिक टन धान बकाया है। टोहाना में 904 मीट्रिक टन धान उठाया गया है, जबकि 4,705 मीट्रिक टन उठान का इंतजार कर रहा है। भूना में 3,665 मीट्रिक टन धान का उठान बकाया है। रिपोर्ट के अनुसार, भट्टू कलां, धारसूल और जाखल मंडियों में अभी उठान दर्ज नहीं हुआ है।

बारिश हुई तो बढ़ सकती हैं मुश्किलें

किसानों को आशंका है कि खुले में रखे धान के भीगने से उसमें नमी बढ़ सकती है। इससे फसल को सुखाने और संभालने में अतिरिक्त परेशानी आएगी। गुणवत्ता प्रभावित होने पर बिक्री के दौरान भी दिक्कतें सामने आ सकती हैं। किसानों की मांग है कि मंडियों में पर्याप्त तिरपाल उपलब्ध करवाए जाएं और खरीदे गए धान का उठान तेज किया जाए, ताकि नई फसल लेकर आने वाले किसानों को भी जगह मिल सके।

कमेटी सख्त, फसल भीगी तो आढ़ती जिम्मेदार

मौसम की खराब परिस्थितियों को देखते हुए मार्केट कमेटी फतेहाबाद ने आढ़तियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों की फसल की प्रत्येक ढेरी को तिरपाल से ढककर रखा जाए। कमेटी सचिव अमित रोहिल्ला ने स्पष्ट किया है कि इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निचले स्थान या बारिश के पानी के बहाव वाले क्षेत्र में पड़ी फसल को तुरंत ऊंचे फड़ पर रखवाने के निर्देश दिए गए हैं। कमेटी ने चेतावनी दी है कि फसल की सुरक्षा में लापरवाही मिलने पर संबंधित आढ़ती की जिम्मेदारी तय की जाएगी। हैफेड के परचेजर विनोद कुमार सेठी ने भी एजेंसी द्वारा खरीदे गए धान के कट्टों को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त क्रेट और तिरपाल तैयार रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर कट्टों को तुरंत ढका जा सके।

फतेहाबाद के 50 में से 18 खरीद केंद्रों पर अब तक धान की एक दाना भी नहीं पहुंचा

फतेहाबाद। जिले में धान की सरकारी खरीद भले ही जोर पकड़ चुकी हो, लेकिन कई खरीद केंद्र अब भी खाली पड़े हैं। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की पीआर-54 रिपोर्ट के मुताबिक जिले के 50 खरीद केंद्रों में से 18 पर अब तक धान की आवक शून्य रही है। यानी इन केंद्रों पर न किसान माल लेकर पहुंचे, न खरीद एजेंसियों को कोई काम मिला। इन केन्द्रों पर धान न पहुंचने से सवाल उठता है कि क्या धान उत्पादक किसान कहीं ओर फसल बेच रहे हैं या इन केन्द्रों पर कोई सुविधा नहीं है। आखिरकार किसान इन केन्द्रों पर फसल लेकर क्यों नहीं पहुंच रहा जबकि यह खरीद केन्द्र उनके गांव के नजदीक है। गांववासियों के अनुसार यह खरीद केन्द्र गलत बनाए गए हैं। इससे अच्छे व सुविधाजनक पहले से ही खरीद केन्द्र मौजूद रहे। जिन केन्द्रों पर आवक शून्य है उनमें अहरवां, अकांवाली, अयालकी, बबनपुर, बहबलपुर, हिंदालवाला, करंडी, म्योंद, नांगला, नन्हेड़ी, रहनवाली, एसपी सोत्तर, ठरवां, भूंदड़वास, पीलीमंदोरी, किरढान, ढाणी गोपाल और भिरड़ाना शामिल हैं। शेष 32 केंद्रों पर अब तक कुल 81,179 मीट्रिक टन धान की आवक दर्ज हुई है। इनमें से अधिकांश आवक फतेहाबाद, टोहाना, रतिया और गोरखपुर जैसे बड़े केंद्रों पर हुई है। कुछ केंद्र ऐसे भी हैं जहां आवक शुरू तो हुई, पर बेहद कम रही। चांदपुरा में अब तक सिर्फ 14.9 टन धान आया है। शक्करपुरा में 49.6 टन, तमास्पुरा में 49.87 टन, ढाणी बबनपुर में 63.5 टन और लाधूवास में 69.1 टन आदि केन्द्रों पर आवक 50 से 70 टन के बीच ही सिमटी रही।

12.22 लाख की साइबर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर 12 लाख 22 हजार 165 रुपए की साइबर ठगी करने के मामले में सिरसा साइबर क्राइम थाना पुलिस ने एक अन्य आरोपी को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी प्रशांत कुमार निवासी नंदग्राम, अहमद नगर, नया बास, गाजियाबाद को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस मामले में पुलिस पांच आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। साइबर थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रेम कुमार ने बताया कि पुलिस रानियां थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि 11 अक्टूबर 2025 को उसके मोबाइल पर अज्ञात नंबरों से फोन आया। फोन करने वालों ने उसे टेलीग्राम ऐप के जरिए शेयर मार्केट में निवेश कर कम समय में मोटा मुनाफा कमाने का झांसा दिया। आरोपियों ने उसे लिंक भेजकर निवेश करने के लिए प्रेरित किया। शुरुआत में साइबर ठगों ने पीड़ित की निवेश की गई रकम पर मुनाफा दिखाया और पैसे उसके खाते में भेजे। इससे पीड़ित को भरोसा हो गया और वह ज्यादा कमाई के लालच में लगातार निवेश करता चला गया। देखते ही देखते उसने कुल 12 लाख 22 हजार 165 रुपये लगा दिए। जब उसने अपनी रकम वापस निकालने का प्रयास किया तो टेलीग्राम लिंक बंद मिला और उसके साथ हुई ठगी का पता चला। प्रेम कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर 12 अक्टूबर 2025 को साइबर थाना सिरसा में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

ट्रेडिंग के नाम पर मुनाफे का दिया लालच

श्रद्धालुओं ने जलाई 351 अखंड ज्योत

- नवरात्रों के शुभारंभ पर श्रद्धालुओं ने की पूजा अर्चना
- दुर्गा मंदिरों में हुई विशेष पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

जिलाभर में नवरात्र के शुभारंभ पर रविवार को दुर्गा मंदिरों में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर घर में सुख समृद्धि की कामना की। शहर के सालासर धाम मंदिर में प्रथम नवरात्र पर श्रद्धालुओं की ओर से 351 अखंड ज्योत स्थापित की गई। विप्रजनों ने पूजा अर्चना के बाद मां भगवती की आरती की और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित की। वहीं इसके अलावा श्रद्धालुओं ने अपने घरों में भी नवरात्र पर मां दुर्गा की पूजा अर्चना की व नवरात्रों के व्रत रखे। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने घरों में जौ रोपित कर उसके बीच में कलश स्थापित किया।

माता रानी का भव्य श्रृंगार किया और उनके समक्ष नारियल रखा।



सिरसा। नवरात्र पर मां भगवती के समक्ष स्थापित की गई 351 अखंड ज्योत।

श्रद्धालुओं ने मां भगवती का कीर्तन किया

वहीं नोहरिया बाजार की गली गोलछावाली स्थित इच्छापूर्ण हनुमान मंदिर में हर वर्ष की भांति इस बार 59वां नवरात्रा महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। मंदिर के पुजारी बालकृष्ण दायमा ने 21 अखंड ज्योत स्थापित कर पूजा अर्चना के बाद आरती की। महिला श्रद्धालुओं ने मां भगवती का कीर्तन किया। शहर में श्री श्याम बगीची धाम, बी ब्लॉक स्थित दुर्गा मंदिर, सर्राफों वाला मंदिर, खजांचियान मंदिर, शिवपुरी स्थित दुर्गा मंदिर सहित मां दुर्गा के मंदिरों में नवरात्र पर पूजा अर्चना की गई।

बाद में मां दुर्गा की आरती की। इसके अलावा जिला के ऐलनाबाद, कालांवाली, रानियां, डबवाली, ओढां सहित अनेक गांवों में मां दुर्गा मंदिरों में नवरात्रा महोत्सव मनाया गया।

चार आरोपी 60.620 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार

- सीआईए ऐलनाबाद पुलिस ने गश्त के दौरान रानियां के बालासर क्षेत्र में की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ऐलनाबाद

सीआईए ऐलनाबाद पुलिस ने गश्त के दौरान रानियां के बालासर क्षेत्र से कार सवार चार आरोपियों को 60 ग्राम 620 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी संदीप सिंह ने बताया कि सीआईए ऐलनाबाद की टीम गश्त व चैकिंग के दौरान थाना रानियां क्षेत्र के गांव बालासर की तरफ जा रही थी।

इसी दौरान सामने से एक कार आती दिखाई दी। पुलिस टीम को देखकर कार सवार युवकों ने गाड़ी वापस मोडक़र भागने का प्रयास किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कार को रुकवाया और युवकों से वापस मुडऩे का कारण पूछा, लेकिन वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।

राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में नियमानुसार तलाशी ली गई तो कार सवार युवकों के कब्जे से 60 ग्राम 620 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपियों की पहचान कुलविंद्र सिंह, हरप्रीत, सुखविंद्र निवासी गांव बालासर तथा राजेंद्र निवासी वार्ड नंबर 8, रानियां के रूप में हुई है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ थाना रानियां में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।



हैरोइन के साथ पकड़े गए आरोपी।

मोटे मुनाफे का लालच देकर एक करोड़ ठगे, पति-पत्नी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

धोखाधड़ी और आर्थिक अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद की पुलिस टीम ने व्यवसाय में मोटा मुनाफा दिलाने के नाम पर एक करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मोहर सिंह पुत्र फौजा सिंह और जसवंत कौर पत्नी मोहर सिंह निवासी गांव सनियाना, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस पहले ही दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर चुकी है, जिससे अब तक कुल चार आरोपी शिकंजे में आ चुके हैं। इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक जसवंत ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गुरुद्वारा बस्ती, जाखल निवासी दिलबाग सिंह ने पुलिस को शिकायत दी थी कि कुछ लोगों ने उन्हें व्यवसाय में निवेश करने पर भारी मुनाफा कमाने और तय समय में मूल राशि वापस लौटाने का भरोसा दिलाया था। आरोपियों के झांसे में आकर पीड़ित ने अपनी जमीन बेच दी और विभिन्न बैंक खातों तथा नकद के माध्यम से कुल एक करोड़ रुपये दे दिए। शिकायत के अनुसार, आरोपी लंबे समय तक टालमटोल करते रहे और वादे के मुताबिक रकम वापस नहीं लौटाई।

मामले में दो आरोपी पहले से काबू

जिले में 10 नए नाके और लगाए, 25 मौजूदा पेट्रोलिंग टीमों के साथ 15 अतिरिक्त टीमें तैनात

त्योहारी सीजन को लेकर फतेहाबाद पुलिस हाई अलर्ट पर अंतरराज्यीय एवं अंतरजिला नाकों पर 24 घंटे रहेगी निगरानी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

रविवार से शुरू हुए शारदीय नवरात्र और आगामी दीपावली, गोवर्धन पूजा, विश्वकर्मा दिवस तथा भैया दूज सहित अन्य त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न करवाने के लिए फतेहाबाद पुलिस पूरी तरह हाई अलर्ट पर है। एसपी निकिता खट्टर के दिशा-निर्देशन में जिलेभर में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। बाजारों, धार्मिक स्थलों, सार्वजनिक स्थानों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस की तैनाती बढ़ाने के साथ-साथ नाकाबंदी, गश्त और संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी तेज कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय घटना की रोकथाम के लिए पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।



एसपी निकिता खट्टर।

सोशल मीडिया पर रहेगी पैनी नजर

एसपी ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने अथवा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला साइबर पुलिस को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाली भ्रामक सूचनाओं, अफवाहों, भड़काऊ संदेशों और सांप्रदायिक सद्भाव को प्रभावित करने वाली सामग्री पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। अफवाह फैलाने, झूठी जानकारी प्रसारित करने अथवा माहौल खराब करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने जिलावासियों से अपील करते हुए कहा कि त्योहार हमारी समृद्ध संस्कृति, आपसी भाईचारे, प्रेम और खुशियों के प्रतीक हैं। सभी नागरिक नवरात्र, दीपावली एवं अन्य पर्व शांति, सुरक्षा और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं।

पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था की सुदृढ़

एसपी ने बताया कि त्योहारी सीजन के मद्देनजर जिले में पहले से स्थापित 13 स्थायी नाकों के अतिरिक्त 10 नए नाके लगाए गए हैं। वहीं, 25 मौजूदा पेट्रोलिंग टीमों के साथ 15 अतिरिक्त पेट्रोलिंग टीमें तैनात की गई हैं। इस प्रकार जिलेभर में कुल 40 पेट्रोलिंग टीमें लगातार गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाएंगी। सभी थानों की पीसीआर और राइडर टीमों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त करने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। जिले के 7 अंतरराज्यीय और 9 अंतरजिला नाकों पर पुलिस बल द्वारा चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाएगी। इसके अतिरिक्त अपराध जांच शाखाओं की पांच विशेष टीमें भी सक्रिय रहेंगी।

महिला सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर भी जोर

एसपी के अनुसार त्योहारी खरीदारी के दौरान बाजारों में बढऩे वाली भीड़ को देखते हुए प्रमुख बाजारों, धार्मिक स्थलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए हैं। सादी वर्दी में पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ-साथ महिला पुलिस की गश्त भी बढ़ाई गई है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखी जाएगी।



मां दुर्गा की पूजा

साल भर में नवरात्रि दो बार आती हैं। लोग चैत्र और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करके अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए कामना करते हैं। इस समय शारदीय नवरात्रि चल रही है, जोकि इस बार 11 अक्टूबर से शुरू 19 अक्टूबर तक चलेंगी। दुर्गा अष्टमी 18 और 19 अक्टूबर दोनों दिन मनाई जाएगी। दुर्गा अष्टमी अपने आप में खास है। इस दिन की पूजा का सबसे ज्यादा महत्व होता है। इसी तरह नवमी की पूजा का भी विशेष महत्व रहता है।

सांझी माई : जब हरियाणा की दीवारें बोलती थी

हरियाणा के लोक-सांस्कृतिक दस्तावेजों में सांझी को ग्रामीण दीवार-कला की उन परंपराओं में रखा गया है, जिनमें मिट्टी के उभरे हुए रूप दीवार पर लगाए जाते थे। यह केवल चित्र बनाना नहीं था। यह लड़कियों की अपनी छोटी-सी दुनिया थी। प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में सांझी की अवधि और विधि में थोड़ा अंतर मिलता है।



संस्कृति

रवि यादव



हरियाणा की लोक-संस्कृति में कुछ परंपराएं ऐसी रही हैं, जिनके लिए न बड़े मंदिर चाहिए थे, न महंगे सामान और न किसी पुरोहित की अनिवार्यता। घर की मिट्टी, तालाब की चिकनी मिट्टी, गोबर, फूल-पत्तियाँ, थोड़े-से प्राकृतिक रंग और लड़कियों की कल्पनाशील उंगलियां—बस इन्हीं से एक पूरी लोक-संसार रच दिया जाता था। 'सांझी माई' ऐसी ही एक परंपरा थी। आज भी हरियाणा के कुछ ग्रामीण इलाकों में इसके दर्शन हो जाते हैं, लेकिन पहले जैसी व्यापकता अब नहीं रही।

हरियाणा सरकार ने भी 2026 में इसे लुप्त होती लोककला बताते हुए इसके संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए कार्यशालाएँ शुरू की हैं। पुराने हरियाणा के गांवों में शारदीय नवरात्र के आसपास घर की कोई साफ-सुथरी दीवार अचानक साधारण दीवार नहीं रह जाती थी। उसे लीपा-पोता जाता और फिर उस पर उभरने लगती थी एक स्त्री आकृति—सांझी माई। कहीं उनका चेहरा बनाया जाता, कहीं पूरा शरीर, तो कहीं उनके चारों ओर चांद, सूरज, तारे, फूल, पक्षी, पेड़, पशु और तरह-तरह के प्रतीक सजाए जाते। मुख्य सामग्री होती थी गोबर और मिट्टी। गांव की लड़कियां तालाब या पोखर से चिकनी मिट्टी लातीं। उससे छोटे-छोटे चांद-सितारे, गहने और आकृतियां बनाकर सुखाई जाती। फिर गोबर से लीपी दीवार पर सांझी का रूप उभारा जाता और उसे खड़िया, गेरू, हल्दी, रोली, फूल-पत्तियों तथा उपलब्ध प्राकृतिक रंगों से सजाया जाता। हरियाणा के लोक-सांस्कृतिक दस्तावेजों में सांझी को ग्रामीण दीवार-कला की उन परंपराओं में रखा गया है जिनमें मिट्टी के उभरे हुए रूप दीवार पर लगाए जाते थे। यह केवल चित्र बनाना नहीं था। यह लड़कियों की अपनी छोटी-सी दुनिया थी। हरियाणा के अलग-अलग इलाकों में सांझी की अवधि और विधि में थोड़ा अंतर मिलता है। अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में इसे पितृपक्ष से दशहरे तक लगभग सोलह दिनों की परंपरा के रूप में माना गया, जबकि कई स्थानों पर इसका संबंध नवरात्र के नौ या दस दिनों से जोड़ा गया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अनुसार उत्तर और मध्य भारत में सांझी की एक परंपरा पितृपक्ष के दौरान लगभग पंद्रह दिनों तक अविवाहित लड़कियों द्वारा निभाई जाती रही है। हरियाणा के कई गांवों में अमावस्या या नवरात्र आरंभ होने के आसपास दीवार तैयार की जाती और फिर दशहरे तक प्रतिदिन उसकी सजावट और पूजा होती। इसलिए किसी एक तारीख को पूरे हरियाणा की सांझी परंपरा का नियम मानना ठीक नहीं होगा। शाम का समय इसका सबसे महत्वपूर्ण समय था। शायद इसी कारण इसका नाम 'सांझी' या 'सांझ' से जोड़ा जाता है। संध्या होते ही लड़कियां अपने काम-काज से निवृत्त होकर सांझी के सामने इकट्ठी होतीं। दीपक जलता, गीत गाए जाते और घर-आंगन में एक अलग ही वातावरण बन जाता।

सांझी माई कौन थीं ?

सांझी को लेकर पूरे उत्तर भारत में एक जैसी कथा नहीं मिलती। कहीं उन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना गया, कहीं लोकदेवी के रूप में पूजा गया और कहीं धरती, उर्वरता तथा पारिवारिक सुख-समृद्धि से उनका संबंध जोड़ा गया। हरियाणा में भी स्थानीय मान्यताओं के अनुसार उनकी कथा और रूप में अंतर दिखाई देता है। एक लोकमान्यता में सांझी को धरती और हरियाली से जोड़ा गया है। कहा जाता था कि संध्या बेला में लड़कियों और महिलाओं द्वारा सांझी की पूजा, गीत और सजावट करने से घर-परिवार तथा धरती पर सुख-समृद्धि बनी रहती है। दूसरी ओर, अविवाहित कन्याओं के लिए यह अच्छे वर और सुखी गृहस्थ जीवन की कामना से भी जुड़ी थी। अर्थात सांझी में धर्म, प्रकृति, परिवार, विवाह और लोककला सब एक साथ मिल जाते थे। लड़कियों को इतना चाव क्यों था? शायद सांझी की सबसे खूबसूरत बात यही थी। उस समय गांव की लड़कियों के लिए अपने मन की कल्पना को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने के अवसर बहुत कम थे। न मोबाइल था, न सोशल मीडिया, न डिजाइनिंग की कक्षाएं और न ही मनोरंजन के इतने साधन। सांझी की दीवार उन्हें एक ऐसा कैनवास देती थी जिस पर वे अपनी कल्पना उकेर सकती थीं। कौन-सा सितारा कहां लगेगा? सांझी की चुनरी कैसी होगी? चेहरे पर कौन-सा रंग अच्छा लगेगा? गहने कैसे बनाए जाएं? चांद के साथ तारा बड़ा हो या छोटा? इन छोटी-छोटी बातों पर सहेलियों में बहस होती होगी। और फिर यह केवल कला नहीं थी, सहेलियों का मिलन भी था। एक घर की लड़की दूसरी के घर जाती। मिट्टी लाने के लिए कई साथ निकलतीं। कोई मिट्टी गूंथती, कोई आकृति बनाती, कोई रंग भरती और कोई गीत शुरू कर देती। बड़ी उम्र की महिलाएं उन्हें देखकर सलाह देतीं और अपनी पुरानी सांझी की यादें सुनातीं। इस तरह एक पीढ़ी दूसरी पीढ़ी को कला ही नहीं, गीत, कथा, रिश्ते और संस्कार भी सौंपती थी।

लोक परंपराएं किताबों से नहीं, अभ्यास से जीवित रहती हैं। जब मां अपनी बेटी को सांझी बनाना नहीं सिखाती, तो अगली पीढ़ी के पास केवल उसकी कहानी बचती है। इसीलिए सांझी का संकट केवल एक कला के समाप्त होने का संकट नहीं है। इसके साथ वे लोकगीत, बोलियां, सामूहिक स्त्री-अनुभव, मिट्टी से जुड़ी कला और गांव की शामों की वह आत्मीयता भी धीरे-धीरे विदा हो रही है।

मन की बात कहने का माध्यम

सांझी के साथ गाए जाने वाले लोकगीतों में देवी की स्तुति के साथ-साथ लड़की के जीवन की इच्छाएं भी झलकती थीं। कहीं अच्छे वर की कामना, कहीं सुखी घर की कल्पना, कहीं मायके की याद और कहीं सहेलियों के बीच हंसी-मजाक। इसलिए सांझी केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं थी। वह ग्रामीण लड़कियों के लिए एक तरह का सांस्कृतिक संवाद थी। जिस बात को लड़की सीधे कह नहीं सकती थी, वह गीत में कह देती थी। शादी कैसी हो, ससुराल कैसा मिले, घर में सुख-शांति रहे, भाई-बहन सुरक्षित रहें- इन सब भावनाओं के रंग सांझी के गीतों में मिल जाते थे। इसीलिए बुजुर्ग महिलाओं के लिए सांझी केवल देवी की पूजा नहीं, उनके अपने बचपन की स्मृति भी थी।

दशहरे पर विदाई

जिस सांझी को इतने दिनों तक सजाया-संवारा जाता था, उसकी विदाई भी होती थी। दशहरे के दिन या स्थानीय परंपरा के अनुसार अंतिम दिन लड़कियां सांझी को दीवार से उतारतीं। उसे किसी टोकरी, मटके या अन्य पात्र में रखकर तालाब, पोखर या जोहड़ तक ले जाया जाता और वहां विसर्जित किया जाता। कुछ स्थानों पर इस अवसर पर लड़कियां समूह में गीत गाते हुए जाती थीं। हरियाणा के गांवों में ऐसी दस दिवसीय सांझी परंपराओं का उल्लेख मिलता है। यह दृश्य अपने आप में बड़ा मार्मिक रहा होगा, जिसे लड़कियों ने इतने दिनों तक अपने हाथों से बनाया, उसे अंततः पानी को सौंप देना। शायद यही लोकजीवन का दर्शन भी था- बनाना, सजाना, प्रेम करना और फिर समय आने पर विदा कर देना।

सबसे बड़ा परिवर्तन गांव की जीवनशैली में आया है। पहले कच्ची या मिट्टी की दीवारें थीं, जिन पर गोबर और मिट्टी आसानी से चिपक जाती थी। अब पक्की दीवारें, सीमेंट, पेंट और टाइलें हैं। पहले तालाब गांव के जीवन का हिस्सा थे; अब अनेक तालाब सिकुड़ गए या उनकी भूमिका बदल गई। पहले शाम को लड़कियों के पास सामूहिक समय था; आज पढ़ाई, कोचिंग, नौकरी, टीवी और मोबाइल ने उस समय को बांट दिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात- लोक परंपराएं किताबों से नहीं, अभ्यास से जीवित रहती हैं। जब मां अपनी बेटी को सांझी बनाना नहीं सिखाती, तो अगली पीढ़ी के पास केवल उसकी कहानी बचती है। इसीलिए सांझी का संकट केवल एक कला के समाप्त होने का संकट नहीं है। इसके साथ वे लोकगीत, बोलियां, सामूहिक स्त्री-अनुभव, मिट्टी से जुड़ी कला और गांव की शामों की वह आत्मीयता भी धीरे-धीरे विदा हो रही है। आज सांझी को बचाने के लिए सरकारी और सांस्कृतिक संस्थाओं की ओर से कार्यशालाएं और उत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। 2026 में हरियाणा के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग ने महिलाओं को प्रशिक्षण देकर इस लोककला को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की पहल भी की है। लेकिन सांझी वास्तव में तभी बचेगी, जब वह किसी मंच की प्रदर्शनी से निकलकर फिर किसी गांव के घर की दीवार पर बनेगी। क्योंकि सांझी का असली सौंदर्य किसी प्रतियोगिता की ट्रॉफी में नहीं, उस शाम में था जब गांव की कुछ लड़कियां मिट्टी से सने हाथों के साथ एक दीवार के सामने बैठती थीं, दीपक जलता था, कोई पहली पंक्ति का गीत छेड़ती थी और बाकी आवाजें उसके साथ जुड़ जाती थीं। दीवार पर गोबर से बनी वह आकृति देखने में भले ही साधारण थी, लेकिन उसके भीतर एक पूरा संसार बसता था- मिट्टी का संसार, बेटियों का संसार, गीतों का संसार और उस हरियाणा का संसार, जहां त्योहार केवल मनाए नहीं जाते थे, बल्कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी जिए जाते थे। शायद इसलिए आज सांझी माई को याद करना केवल एक पुरानी परंपरा को याद करना नहीं है; यह उस सांझ को याद करना है, जो कभी हरियाणा के गांवों में सचमुच बहुत कुछ अपने साथ लेकर आती थी।

ग़ज़ल | राजपाल सिंह गुलिया



बेरा नां के हुई खराबी

बेरा नां के हुई खराबी,
माणस होग्ये घणे हिसाबी.

पाँ जिनके टूट्टे आर्या मैंह,
माँगैं सैं वे भी गुरगाबी.

ठेका योह बंध होना चइए,
पीकै बोल्ले कई सराबी.

घरती पर तैं खो देंगे ये,
तन्नै तेरे शौक नबाबी .

खोस लई सै नई बहू नै,
आत्याँ ही सासू तैं चाबी.

पढ़या सै पर कढ़या कोन्या,
तन्नै सै बस ग्यान किताबी.

जावै तै कित जावै 'गुलिया '
अडै सराबी , उडै कबाबी.

कविता | डॉ. त्रिलोक चंद



भाई

दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै और नहीं कोये प्यारा।
जै भाई का साथ मिलै तो, होज्या सैं पौ - बारा।।

राम लखन - सा भाई हो ,
सहयोगी अनुयाई हो,
विपदा में वही सहाई हो ,
तो दुःख तैं मिलै छुटकारा ।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै, और नहीं कोये प्यारा।।

भरत कै जैसा त्यागी हो ,
पांडवों -सा अनुरागी हो ,
विक्रम -सा बड़भागी हो ,
तो चमकै भाग्य सितारा ।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै ,और नहीं कोये प्यारा ।।

कृष्ण और बलराम- सा भाई,
धर्म - कर्म की राह बताई।
दुष्टों की करी खूब धुलाई,
भार धरा का टारा।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै ,और नहीं कोये प्यारा ।।

भाई -भाई का प्रेम निराळा ।
खुल जाता किस्मत का ताळा ।
भाई -भाई का रखवाळा ,
भाई त्रिलोक का सहारा ।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै, और नहीं कोये प्यारा ।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

प्रकृति का यौवन | शारदीय नवरात्र का संबंध केवल धार्मिक आस्था से नहीं, कृषि-संस्कृति से भी जुड़ा है

आसौज की गुलाबी ठंड और फसलों का मदहोश नृत्य



जनजीवन

जयदेव राठी

भादों की झड़ी थमती है और आकाश अपना धुला हुआ नीला आँचल फैला देता है। सुबह खेत की मेड़ पर पाँव रखिए तो ओस की ठंडी छुअन तलवों से होकर मन तक उतरती है। दोपहर में सूरज अब भी कुछ तीखा रहता है, लेकिन सांझ ढलते ही हवा में हल्की सिहरन घुलने लगती है। यही आसोज है, जिसे शास्त्रों में आश्विन कहा गया है। वर्षा की विदाई और शरद के आगमन के बीच खड़ा यह महीना न पूरी तरह गर्मी का है, न जाड़े का। इसमें दोनों का संतुलन है और शायद इसी कारण यह ऋतुओं का सबसे सधा हुआ महीना लगता है। युवा अवस्था की तरह आसोज में भी प्रकृति भरी-पूरी दिखाई देती है। खेतों में फसल पकने की ओर बढ़ती है, आकाश साफ होता है, नदी-नालों का पानी निर्मल होने लगता है और लोकजीवन पर्वों के उजाले से भर उठता है। धरती जैसे यौवन की देहरी पर खड़ी हो—उसके चेहरे पर हरियाली है, देह पर फसल की सुनहरी आभा और मन में आने वाली समृद्धि के सपने। संस्कृत साहित्य में शरद के इस सौंदर्य को महाकवि कालिदास ने अद्भुत रूप दिया है।

काशांशुका विकचपद्ममनोज्ञवक्त्रा
सोन्मादहंसरवनूपुरनादरम्या।
आपक्वशालिरुचिरा तनुगात्रयष्टिः
प्राप्ता शरन्नववधूरिव रूपरम्या॥

अर्थात कास के श्वेत फूल जिसके वस्त्र हैं, खिले कमल जिसका मुख हैं, हंसों की ध्वनि जिसके नूपुरों की झंकार है और पकते धान की सुनहरी आभा जिसकी देह-कांति है—ऐसी नववधू के समान शरद आ पहुँची है। भारतीय काव्य परंपरा की यही खूबी है कि वह प्रकृति को केवल दृश्य नहीं मानती, उसे जीवंत चरित्र बना देती है। तुलसीदास ने भी वर्षा की विदाई और शरद के आगमन को अत्यंत सजीव ढंग से देखा—

बरषा बिगत सरद रितु आई।
लछिमन देखहु परम सुहाई॥
फूलें कास सकल महि छाई।
जनु बरषाँ कृत प्रगट बुढ़ाई॥

वर्षा बीत गई और शरद आ गई। कास के फूलों से धरती ऐसे ढक गई, मानो वर्षा ऋतु ने अपने सफेद बाल दिखाकर विदाई ले ली हो। आसोज की प्रकृति को इससे सुंदर उपमा शायद ही मिल सके। आसोज सबसे अधिक किसान का महीना है। उत्तर भारत के गाँवों में बाजरा, ज्वार, मूंग, अरहर और धान अपनी परिपक्वता की ओर बढ़ते हैं। कहीं कपास के डोडे चटकने लगते हैं तो कहीं खेतों में दाने भरने लगते हैं। मेड़ों पर बैठे बुजुर्ग फसल का रंग और उसकी चाल देखकर आने वाले दिनों का अनुमान लगाते हैं। बच्चे खेतों में चिड़ियों को उड़ाते हैं और किसान की निगाह आसमान, मिट्टी और फसल—तीनों पर रहती है। इसी समय अगली फसल की तैयारी भी शुरू हो जाती है। यानी एक फसल घर आने को होती है और दूसरी के बीज धरती में उतरने की तैयारी करते हैं।

भारतीय संस्कृति ने अन्न को केवल भोजन नहीं माना, बल्कि जीवन का आधार माना है। पितृपक्ष की गंभीरता के बाद शारदीय नवरात्र आते हैं और वातावरण में शक्ति का संचार होने लगता है। घर-घर घटस्थापना होती है, जौ बोए जाते हैं और देवी आराधना के साथ नौ दिनों का अनुशासन शुरू होता है। देवी माहात्म्य में शरदकालीन महापूजा का उल्लेख मिलता है—



शरत्काले महापूजा क्रियते या च वार्षिकी।
तस्यां ममैतन्माहात्म्यं श्रुत्वा भक्तिसमन्वितः॥

शारदीय नवरात्र का संबंध केवल धार्मिक आस्था से नहीं, कृषि-संस्कृति से भी जुड़ा है। जौ का अंकुरण जीवन और उर्वरता का प्रतीक बनकर सामने आता है। भारतीय परंपरा में पूजा और खेती कभी एक-दूसरे से अलग नहीं रहे। खेत में बीज डालना भी एक प्रकार की प्रार्थना है और प्रार्थना के साथ श्रम करना भी एक प्रकार का यज्ञ।

नवरात्र के बाद विजयादशमी आती है। मैदानों में रावण के पुतले जलते हैं और आतिशबाजी के बीच बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दोहराया जाता है। लेकिन हर साल जलने वाला रावण हमें यह सवाल भी पूछता है कि क्या हमने अपने भीतर के अहंकार, लोभ, क्रोध और ईर्ष्या को जलाया? अगर नहीं, तो दशहरा केवल मैदान में हुआ दहन है, जीवन में नहीं। आसोज की पूर्णिमा अपनी चाँदनी के कारण विशेष है। शरद पूर्णिमा की रात को लेकर लोकविश्वास है कि चंद्रमा अपनी पूर्ण कलाओं के साथ अमृत बरसाता है। घरों की छतों पर खीर रखने की परंपरा इसी विश्वास से जुड़ी है। हरियाणा की माटी में आसोज की अपनी ही खुशबू है। गाँवों में सांझी की परंपरा, आँगन में लोकगीत, खेतों की ओर जाते पशुओं की घंटियाँ, चौपाल पर हुक्के की गुड़गुड़ाहट और पकते बाजरे की खुशबू—ये सब मिलकर इस महीने को कैलेंडर की तारीख से कहीं बड़ा बना देते हैं। सांझ ढलते ही मिट्टी और गोबर से बनाई गई सांझी के आगे गाए जाने वाले गीत पीढ़ियों से दादी की जुबान से पोती तक पहुँचे हैं। यह लोकसाहित्य किसी विश्वविद्यालय की किताब से नहीं, गाँव के आँगन से निकला है। आसोज में प्रकृति के छोटे जीव भी जैसे उत्सव में शामिल हो जाते हैं। जब खेत भरते हैं और अन्न घर आने की उम्मीद जगती है, तब किसान के भीतर भी एक मोर नाचता है। उसकी थकान, चिंता और कठिनाइयाँ कुछ क्षणों के लिए पीछे छूट जाती हैं।

यौवन का अर्थ केवल उम्र नहीं, संभावना है। आसोज इसी संभावना का महीना है। वह सिखाता है कि पकने के लिए धूप भी चाहिए और ओस भी, श्रम भी चाहिए और धैर्य भी। केवल धूप में जलने वाला जीवन कठोर हो जाता है और केवल छाँव में रहने वाला जीवन कच्चा रह जाता है। आसोज की गुलाबी ठंड और बादलों की ओट से झाँकता सूरज इसी संतुलन का संदेश देते हैं। आज जब मनुष्य ऋतुओं से दूर होता जा रहा है और वातानुकूलित कमरों में बैठकर मौसम को मोबाइल की स्क्रीन पर देखता है, तब आसोज हमें फिर धरती की ओर लौटने का निमंत्रण देता है। खेत की मेड़ पर चलने, ओस को महसूस करने, कास के फूल देखने और किसान की आँखों में पकती फसल की चमक पढ़ने का निमंत्रण। हम सौ शरद देखें, सौ शरद जिएँ और सौ शरद तक सुनें। यह केवल दीर्घायु की कामना नहीं, प्रकृति के साथ लंबे और सार्थक जीवन की आकांक्षा है। आसोज हमें यही याद दिलाता है कि धरती जब यौवन की देहरी पर खड़ी हो, तब हमें भी अपने भीतर के जीवन को पहचानना चाहिए—माटी से जुड़कर, श्रम का सम्मान करके और उन ऋतुओं को महसूस करके, जिन्होंने हमारी संस्कृति को जन्म दिया है।

शिद्दत से काम करें, पूरी फिल्म मेकिंग सीखें : रणजीत चौहान



कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

रोहतक में जन्मे रणजीत चौहान साधारण परिवार से निकलकर आज हरियाणवी सिनेमा में निर्देशक, अभिनेता और फिल्ममेकर के रूप में पहचान बना चुके हैं। उन्होंने सुपवा से एक्टिंग में ग्रेजुएशन और सेज यूनिवर्सिटी, भोपाल से फिल्म मेकिंग में मास्टर किया है। सुपवा के दूसरे बैच (2012) के विद्यार्थी रहे रणजीत ने निर्देशन के क्षेत्र में 'मलाल' और 'मुआवजा' जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाई। इन दोनों फिल्मों के लिए उन्हें बेस्ट डायरेक्टर का अवार्ड मिल चुका है। रणजीत चौहान ने 2017 में 'मलाल' से निर्देशन की शुरुआत की और इसके बाद 'छप्पर फाड़के', 'ओपरी हवा', 'मिडनाइट', 'शॉर्ट कट्स' और 2026 में 'लाइसेंस' जैसी फिल्मों व वेब सीरीज का निर्देशन किया।

वे 'मुद्दा 370 जेएंडके' और 'दादा लख्मी चंद' में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में भी काम कर चुके हैं। उन्होंने 'बिल्लू बदमाश', 'रोहतक के मेले में', 'टेम्परेरी प्यार', 'गुंडागढ़' और 'समझ लियो हरियाणा' सहित कई गीतों का निर्देशन किया है। अभिनेता के रूप में वे 'छलांग', 'कॉमेडी कपल', 'मुद्दा 370 जेएंडके', '1600 मीटर' और 'तोता' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। इसके अलावा 'हरियाणा क्राइम', 'अहसास', 'लाली', 'लगाव' और 'बहू काले की' जैसे प्रोजेक्ट्स में भी उन्होंने अभिनय किया है। बचपन में प्रेमचंद की 'कफ़न' कहानी पढ़कर सातवीं कक्षा में ही रणजीत चौहान ने गली के बच्चों के साथ उसका नाटक करने



का सपना देखा, हालांकि तब उन्हें थिएटर के बारे में भी जानकारी नहीं थी। घर में पिता के नॉवेल पढ़ने के माहौल ने उनके भीतर कल्पनाओं और कहानियों की दुनिया बसाई और धीरे-धीरे उनमे लिखने की आदत विकसित हुई। 2009 में कविता कौशिक से मुलाकात के बाद उन्होंने एक एपिसोड लिखा, जिसके बाद उन्हें असिस्टेंट का नंबर मिला और उन्होंने सीरियल 'कुछ खोया कुछ पाया' का टाइटल ट्रैक भी लिखा। अभिनय में पर्याप्त अवसर न मिलने पर उन्होंने निर्देशन का रुख किया और इसी क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहे। रणजीत चौहान ने अनेक सफल प्रोजेक्ट्स किए हैं लेकिन 'मलाल' फिल्म को वह अपने दिल के काफी करीब मानते हैं। यह उनका पहला प्रोजेक्ट था, जो सुपवा से पास आउट होने के तुरंत बाद किया था। इस फिल्म को शूट करने के लिए उनके पास कोई पैसा नहीं था। स्वयं उनके शब्दों में -'गरीब की बेटी की शादी की तरह लोगों ने अलग-अलग तरीके से मेरी मदद की। किसी ने कैमरा दिया, किसी ने खाना दिया और किसी ने गाड़ियाँ दीं।' आगे चलकर रणजीत सिर्फ एक सफल निर्देशक ही नहीं, बल्कि लाजवाब एक्टर और राइटर भी बने। हरियाणा की मिट्टी से निकलकर निर्देशन और अभिनय में पहचान बनाने के उनके सफर की सबसे बड़ी चुनौती गरीबी और बचपन में ही पिता का साया उठ जाना रहा। इसके साथ ही उनके कंधों पर दो छोटी बहनें, एक छोटा भाई और पूरे परिवार की जिम्मेदारी थी। साथ ही अभिनय का जुनून भी था। इनका बचपन संघर्षों मे बीता, यही कारण है कि इनकी फिल्मों में छोटे शहर और गाँव के किरदार बहुत वास्तविक नजर आते हैं। इन कहानियों में उन्हें सच्चाई दिखाई देती है। अभी हाल ही में इनको हाइफा फेस्टिवल में बेस्ट डायरेक्टर का अवार्ड मिला है। जिसके लिए वह अपने सभी गुरुजनों का और सुपवा का शुक्रिया अदा करते हैं जिन्होंने उन्हें इस काबिल बनाया। इनकी अभी हाल में रिलीज 'लाइसेंस' फिल्म बेहद सफल रही। इस फिल्म को बनाने में उन्हें अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा उन्होंने बताया कि चुनौतियाँ तो हर बार अलग रूप में आती ही हैं। हम चुनौतियों से भाग नहीं सकते। आप कुछ भी बड़ा करने की सोचेंगे तो चुनौतियाँ अलग रूप में आपके सामने खड़ी मिलेंगी। स्वयं उनके शब्दों मे -'यह मेरी पहली सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म है, तो पहला चैलेंज यही था कि ऑडियंस को फिल्म पसंद आए। इसके लिए यह सोचना भी चुनौती थी कि ऐसा क्या-क्या किया जाए कि फिल्म हर एंगल से दर्शकों को सिनेमाघर तक खींचकर लाए।' बॉलीवुड एक्टर यशपाल शर्मा के साथ काम करने के अनुभव के बारे मे रणजीत बताते हैं कि उनके साथ काम करने का अनुभव तो अच्छा ही रहा। स्वयं उनके शब्दों मे -'किस्मत भी अच्छी रही है, क्योंकि मेरी पहली फिल्म 'मलाल' में भी यशपाल सर थे। उनको देखकर ही तो फिल्मों में आए हैं। उनसे सीखने को तो मिलता ही है।' रणजीत ने सुपवा और स्टेज, दोनों के साथ काम किया है। इनके साथ अपने अनुभव को साझा करते हुए वह मानते हैं कि सुपवा हरियाणा में एक क्रांति है, जिसने कलाकारों को तैयार किया और ऐसा मंच दिया कि आज काम के लिए मुंबई जाने की जरूरत नहीं पड़ती। स्टेज ऐप ने इस काम को आगे बढ़ाते हुए कलाकारों को अपनी कला दिखाने के साथ कमाई का अवसर भी दिया और नए टैलेंट को भी सामने लाया। कुल मिलाकर,

लाइसेंस' मेरी पहली सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म है, तो पहला चैलेंज यही था कि ऑडियंस को फिल्म पसंद आए। इसके लिए यह सोचना भी चुनौती थी कि ऐसा क्या-क्या किया जाए कि फिल्म हर एंगल से दर्शकों को सिनेमाघर तक खींचकर लाए।

सुपवा ने कलाकार तैयार किए और स्टेज ने उन्हें प्लेटफॉर्म देकर हरियाणवी सिनेमा को मजबूत आधार दिया। रणजीत के अनुसार हरियाणा के सिनेमा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए जो हरियाणा के प्रसिद्ध अभिनेता या फिल्म मेकर हैं और बाहर बॉलीवुड में काम कर रहे हैं, उन्हें हरियाणा में भी काम करना चाहिए। हालांकि सरकार भी फिल्म बनाने के लिए पॉलिसी लेकर आई है, लेकिन उससे फ़ायदा तभी होगा जब फिल्म पॉलिसी हर साल मिले। चार साल में एक बार पॉलिसी मिलेगी तो सिनेमा कहाँ बड़ा होगा। रणजीत मानते हैं कि क्षेत्रीय सिनेमा को अब ज्यादा सम्मान और अवसर मिल रहे हैं। इसका कारण यह है कि अब फिल्म बनाने के लिए मुंबई नहीं जाना पड़ता। जब हर क्षेत्र में काम होगा तो सम्मान और अवसर भी मिलेंगे। नए लोगों के लिए रणजीत चौहान संदेश देते हैं कि शिद्दत से काम करें और पूरी फिल्म मेकिंग सीखें। इसमें एक्टिंग, डायरेक्शन, राइटिंग, एडिटिंग, सिनेमैटोग्राफी, लाइटिंग और मार्केटिंग इन सभी का ज्ञान होना चाहिए। तब आप किसी एक विधा में सफल हो पाएँगे। सभी चीजों की जानकारी रखें और मेहनत करते रहें।

खबर संक्षेप

आर्यसमाज मंदिर में सत्संग और यज्ञ अनुष्ठान किया

सिरसा। आर्यसमाज मंदिर, सिरसा में प्रत्येक माह की भांति मासिक सत्संग व यज्ञ का अनुष्ठान किया गया जिसमें मुख्य प्रवक्ता के तौर पर ज्ञानेंद्र आर्य तेवतिया उपस्थित रहे। उन्होंने अपने भजन, प्रवचनों के माध्यम से कहा कि हम कौन थे, क्या हो गए हैं, और क्या होंगे, आओ मिलकर विचार करें। आचार्य ने अनेक महापुरुषों के जीवन के उन पर्वों पर प्रकाश डाला, जिससे वो महान पुरुष कहलाए। उन्होंने कहा कि अगर हम भी उन महान महापुरुषों के जीवन का अनुसरण करें तो हम भी अपना जीवन धन्य बना सकते हैं क्योंकि देश हमें देता है सब कुछ, हम भी कुछ देश को देना सीखें।

सेवा संकल्प अभियान के तहत लगेंगे कैंप

सिरसा। अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित संगल ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा सेतु अभियान जन कल्याण कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत 13 अक्टूबर को बीडीपीओ कार्यालय खंड नाथूसरी चौपटा तथा नगरपालिका कालांवाली में कैंप आयोजित होगा। 14 अक्टूबर को खंड नाथूसरी चौपटा के गांव जमाल तथा 15 अक्टूबर को खंड नाथूसरी चौपटा के गांव डिंग में सेवा सेतु अभियान कैंप लगाया जाएगा। इन कैंपों में विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल लगाकर आमजन को योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। सेवा सेतु कैंपों में लाडोलक्ष्मी योजना, पेंशन सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

श्री राम कृष्ण कला मंच की 75वीं रामलीला के दूसरे दिन भावुक हुए दर्शक

श्रवण लीला में दिखा माता-पिता का त्याग दशरथ को मिला पुत्र वियोग का श्राप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

श्री राम कृष्ण कला मंच की ओर से आयोजित 75वीं रामलीला के दूसरे दिन श्रवण लीला का मंचन किया गया। कलाकारों ने प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से माता-पिता के त्याग, पुत्र के कर्तव्य और कर्मों के परिणाम का मार्मिक चित्रण किया। श्रवण कुमार की कथा देखकर दर्शक भावुक हो गए। प्रसंग के अनुसार, श्रवण कुमार के माता-पिता संतान प्राप्ति के लिए ब्रह्मा जी से वरदान मांगते हैं। ब्रह्मा जी उन्हें आंखों की रोशनी त्यागने की शर्त पर पुत्र प्राप्ति का वरदान देते हैं। दोनों संतान की चाह में यह शर्त स्वीकार कर लेते हैं और उनके घर श्रवण कुमार का जन्म होता है। बड़े होने पर श्रवण को माता-पिता के त्याग का पता चलता है तो वह उन्हें कंधों पर उठाकर तीर्थ यात्रा पर निकल पड़ता है। रास्ते में पानी लेने गए श्रवण पर शिकार के लिए निकले राजा दशरथ शब्दभेदी बाण चला देते हैं। बाण लगने से श्रवण घायल हो जाता है। घटना का पता चलने पर राजा दशरथ उसके माता-पिता के पास पहुंचकर अपनी गलती बताते हैं। पुत्र की मृत्यु का समाचार सुनकर माता-पिता शोक में डूब जाते हैं और राजा दशरथ को पुत्र वियोग का श्राप देते हैं।



भूना। रामलीला में मथुरा से आए कलाकार केशव माता रानी का किरदार निभाते हुए।

ये रहे मौजूद

रामलीला में मथुरा से आए कलाकार केशव ने माता रानी का किरदार निभाकर दर्शकों की सराहना प्राप्त की। इस दौरान कलाकारों ने माता-पिता के सम्मान, सेवा और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश दिया। कार्यक्रम में मंच के प्रधान हरविंदर मेहता, निर्देशक सुरेंद्र हंस, कैशियर सुनील खुराना, इशू भूटानी, संजय मेहता, संजय गिरधर, सतीश बत्रा, मनोज कुमार, अंशुल खुराना, गौरव खुराना, मुंशी कंबोज, श्यामलाल कंबोज, इंद्रजीत कंबोज सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

शक्ति नाटक क्लब की रामलीला का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

शक्ति नाटक क्लब रतिया द्वारा हर वर्ष की तरह इस बार भी बाबा बंदा सिंह बहादुर गुरुद्वारा ग्राउंड, शक्ति नगर में रामलीला का आयोजन किया गया है। शनिवार रात्रि को आयोजित शुभारंभ समारोह में पंजाबी सभा के अध्यक्ष सतीश हांडा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और रिबन काटकर रामलीला का औपचारिक आगाज किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवाल सभा के अध्यक्ष प्रमोद बंसल ने की। समारोह से पूर्व शहर के विभिन्न मंदिरों के पुजारियों द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इसके साथ ही समाजसेवी भीष्म भटेजा ने बालाजी महाराज की झंडा रसम अदा की। मुख्य अतिथि सतीश हांडा ने अपने संबोधन में कहा कि रामलीला का मंचन आमजन को भगवान राम के आदर्शों, मर्यादा और उच्च संस्कारों के प्रति प्रेरित करता है।



रतिया। रामलीला के शुभारंभ अवसर पर मौजूद अतिथिगगण।

मंच पर जीवंत हुआ श्रवण कुमार का मार्मिक प्रसंग

रामलीला के पहले दिन मंच पर श्रवण कुमार की कथा का अत्यंत भावुक और मार्मिक मंचन किया गया। प्रसंग के तहत श्रवण कुमार अपने अंधे व वृद्ध माता-पिता शांतनु और ज्ञानवती को कांवड़ में बैठाकर तीर्थ यात्रा पर ले जाते हैं, जो उनकी अटूट मातृ-पितृ भक्ति को दर्शाता है। माता-पिता की प्यास बुझाने के लिए जब श्रवण सरयू नदी में कलश डुबोते हैं, तो पानी की गडगड़ाहट सुनकर शिकार पर निकले राजा दशरथ उसे किसी हिंसक पशु की ध्वनि समझकर शब्दभेदी बाण चला देते हैं। तीर लगने से घायल श्रवण दशरथ को अपना परिचय देते हैं और अपने प्यासे माता-पिता को जल पिलाने का आग्रह करते हुए प्राण त्याग देते हैं। पश्चाताप से भरे दशरथ जब जल लेकर पहुंचते हैं, तो श्रवण के माता-पिता विलाप करते हुए प्राण त्यागने से पहले दशरथ को श्राप देते हैं कि उनकी मृत्यु भी इसी प्रकार पुत्र के वियोग में होगी।



सिरसा। कपास उत्पादकता पर मंथन करते कृषि वैज्ञानिक।

जलवायु-अनुकूल कपास उत्पादन बढ़ाने पर मंथन

- केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र सिरसा में बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र सिरसा में उत्तर भारत में जलवायु-अनुकूल कपास उत्पादनः उत्पादकता बढ़ाने और कीटों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करने पर समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ. डीके यादव ने की। वहीं परिषद के उप-महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ. राजबीर सिंह, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलगुरु डॉ. बीआर कम्बोज, आईसीएआर क्षेत्रीय केंद्र, सीआईसीआर के निदेशक डॉ. वीएन वाघमारे उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत में सिरसा केंद्र के अध्यक्ष व प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.के. वर्मा ने उत्तरी भारत में कपास की वर्तमान फसल स्थिति और उत्पादन के दौरान सामने आ रही प्रमुख चुनौतियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में तीनों राज्यों के कृषि विभागों के अधिकारी तथा निजी क्षेत्र के प्रतिनिधि भी बैठक में उपस्थित रहे। डॉ. डी.के. यादव ने कहा कि कपास की अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए नई तकनीकों का विकास करना और उन्हें किसानों तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने कपास उत्पादकता मिशन 2026-31 के तहत अधिक उत्पादन देने वाली किस्मों, कीटों एवं बीमारियों के प्रति प्रतिरोधी किस्मों, सूक्ष्म सिंचाई अपनाने पर जोर दिया।

कीट-रोग नियंत्रण पर वैज्ञानिकों ने दिए सुझाव

सी.आई.सी.आर. सिरसा के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. ऋषि कुमार ने उत्तरी भारत में कपास की फसल पर कीटों एवं रोगों के प्रकोप, उनके नियंत्रण, वर्तमान चुनौतियों और जलवायु-अनुकूल उत्पादन तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कपास की उत्पादकता बढ़ाने, कीट एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने और भविष्य में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार सैन, डॉ. अमरप्रीत सिंह डॉ. सुभाष चंद्र और डा. ओ.डब्ल्यू सिंह, कपास अनुभाग हिसार से प्रभारी डॉ. करमल सिंह, पी.ए.यू. लुधियाना से निदेशक अनुसंधान ए.एस. दत्त, एस.के.आर.ए.यू. बीकानेर निदेशक-अनुसंधान डॉ. एन.के. शर्मा, ने कपास उत्पादन बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे विभिन्न प्रचार-प्रसार कार्यक्रमों और अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा की।

तीन नशा पीड़ितों को अस्पताल में कराया दाखिल, काउंसलिंग कर दी दवाइयां

- ऑपरेशन जीवन ज्योति अभियान के तहत पीड़ितों का किया जा रहा उपचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति अभियान के तहत नशे की गिरफ्त में आ चुके व्यक्तियों को उपचार, काउंसलिंग और जागरूकता के माध्यम से मुख्यधारा में लौटने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में उपनिरीक्षक सुंदर लाल के नेतृत्व में नशामुक्ति टीम ने नागरिक अस्पताल फतेहाबाद तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतिया में पहुंचकर उपचाराधीन नशा पीड़ितों की काउंसलिंग की और उन्हें नियमित उपचार जारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान पुलिस टीम ने तीन नवचिह्नित नशा पीड़ितों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल फतेहाबाद में दाखिल करवाया।



फतेहाबाद। नशा पीड़ितों की काउंसलिंग करते उपनिरीक्षक सुंदरलाल।

भूना में बाइपास निर्माण और फतेहाबाद की बंद रेल सेवाएं करें बहाल : सैलजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

सिरसा की सांसद एवं पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री कुमारी सैलजा ने फतेहाबाद जिले की की जनसमस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पत्रों में भूना शहर में बाइपास निर्माण और फतेहाबाद जिले के पिरथला, ललोदा सहित आसपास के गांवों की बंद रेल सेवाएं बहाल करने का मुद्दा उठाया है। कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि भूना महत्वपूर्ण व्यापारिक एवं आवागमन केंद्र है, जो एसएच-2 और एनएच-52 सहित प्रमुख मार्गों से जुड़ा है। इससे व्यापारियों और आम नागरिकों को परेशानी होती है। केंद्रीय रेल मंत्री को लिखे पत्र में कुमारी सैलजा ने पिरथला, ललोदा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की रेल सुविधाओं का मुद्दा उठाया। सांसद ने ट्रेन संख्या 54635, 54636, 54603 और 54604 जैसी बंद यात्री सेवाएं पुनः शुरू करने, एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 14653 और 14654 के पूर्व निर्धारित ठहराव बहाल करने तथा जमालपुर शेखां स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों और पिरथला व ललोदा स्टेशनों पर आवश्यक यात्री ट्रेनों के ठहराव की मांग की।

भूना की नंदीशाला में 25 लाख से बनेगा तूड़ी गोदाम, चेयरपर्सन ने किया शिलान्यास

- गोवंश के चारे के सुरक्षित भंडारण की मिलेगी सुविधा, नंदीशाला की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में मिलेगी मदद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

शहर की नंदीशाला में गोवंश के चारे के भंडारण की व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में पहल की गई। नगरपालिका भूना की ओर से 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाले तूड़ी गोदाम का रविवार को चेयरपर्सन अर्पणा पंकज पसरीजा ने नींव रखकर निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। गोदाम बनने से नंदीशाला में गोवंश के लिए चारे को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से रखने की सुविधा मिलेगी। नंदीशाला में गोवंश के लिए चारे की उपलब्धता बनाए रखना और उसके भंडारण की उचित व्यवस्था करना जरूरी है।



भूना। नंदीशाला में तूड़ी गोदाम का शिलान्यास करते हुए चेयरपर्सन अर्पणा पसरीजा।



रामलीला मैदान में राष्ट्रीय रैली 12 दिसंबर को

सिरसा। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर 12 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय रैली में सिरसा जिले से हजारों कर्मचारी भाग लेंगे। इस सिलसिले में कर्मचारी संगठनों की एक बैठक कर्मचारी नेता जिला प्रधान मदन लाल खोथ की अध्यक्षता में हुई जिसमें सिरसा, रानियां, बडागुढ़ा, डबवाली, कालांवाली, ऐलनाबाद और चौपटा ब्लॉकों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में राज्य महासचिव कृष्ण मैन ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकारें किसान, मजदूर, कर्मचारी तथा मेहनतकश वर्ग पर कॉर्पोरेट समर्थक नीतियां थोप रही हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सेवाओं का निजीकरण और ठेकेदारीकरण बढ़ने से रोजगार की सुरक्षा, पेंशन व्यवस्था और आम लोगों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। कर्मचारी नेताओं ने बिजली संशोधन विधेयक-2025 को लेकर भी चिंता जताई और आशंका व्यक्त की कि इससे बिजली क्षेत्र के निजीकरण को बढ़ावा मिल सकता है तथा किसानों और मजदूरों को मिलने वाली सब्सिडी प्रभावित हो सकती है।

प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने गायन और नृत्य में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

राजकीय महाविद्यालय भूना में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र ज्यानी के नेतृत्व में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने गायन, अभिनय और नृत्य की विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी छिपी प्रतिभा निखारने के लिए मंच प्रदान करना और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक संदीप शर्मा साहिल मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने अपने लोकप्रिय हरियाणवी और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियों से विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों का मनोरंजन किया। प्रतियोगिता में एकल गायन, एकल अभिनय, पंजाबी नृत्य और हरियाणवी नृत्य की स्पर्धाएं हुईं।



भूना। प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के दौरान हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं।

बुजुर्ग महिला से सोने की बाली झपटी, दो गिरफ्तार

फतेहाबाद। झपटमारी और संपत्ति संबंधी अपराधों में संलिप्त अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अपराध जांच शाखा टोहाना ने बुजुर्ग महिला के कान से सोने की बाली झपटने की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान रविदास मोहल्ला, रामनगर, टोहाना निवासी इतवारी और विकास खोबरा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई सोने की एक बाली, एक चेन तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। सीआईए टोहाना के प्रभारी उपनिरीक्षक अजय कुमार ने बताया कि भाटिया नगर, टोहाना निवासी दीपक भाटिया ने थाना शहर टोहाना में शिकायत दर्ज कराई थी।

लखपति दीदी के रूप में रितु ने बदली जिंदगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ चौपटा

ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में स्वयं सहायता समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हरियाणा के सिरसा जिले के नाथुसरी चौपटा ब्लॉक के गांव शाहपुरिया की रहने वाली रितु इसकी प्रेरणादायक मिसाल हैं। कभी केवल सिलाई के काम पर निर्भर रहने वाली रितु आज अपना मनियारी व कपड़े का स्टोर संचालित कर रही हैं। रितु वर्ष 2019 में एकता महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ी थी। समूह से जुड़ने से पहले वह मुख्य रूप से सिलाई का काम करती थी। इसी दौरान उन्हें स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद रितु को आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ। उन्हें शुरुआती तौर पर 10 हजार रुपये की राशि मिली। इसके बाद क्लस्टर संगठन से 50 हजार रुपये तथा बैंक से 20 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस वित्तीय सहयोग का उपयोग उन्होंने अपना मनियारी स्टोर शुरू करने में किया। धीरे-धीरे उन्होंने अपने व्यवसाय को व्यवस्थित किया और मनियारी के साथ कपड़ों की बिक्री भी शुरू की। आज रितु की औसत वार्षिक आय करीब 2 लाख रुपये है।

भूना में धूमधाम से मनाई अग्रसेन जयंती, कवि सम्मेलन ने बांधा समां

- प्रतिमा पर माल्यार्पण कर लिया समाजसेवा का संकल्प, अग्रसेन भवन में हवन-यज्ञ और ध्वजारोहण भी किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को भूना में अग्रवाल समाज की ओर से धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पुराने बस स्टैंड पर वार्ड नंबर 10 स्थित मुख्य चौक पर महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। अग्रवाल समाज के लोगों ने महाराजा अग्रसेन की महिमा का गुणगान करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने और समाजसेवा के कार्यों में योगदान देने का संकल्प लिया। इसके बाद हिसार रोड स्थित अग्रसेन भवन में हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुतियां डालकर सुख-समृद्धि और समाज की खुशहाली की कामना की। भवन परिसर में ध्वजारोहण भी किया गया। जयंती समारोह के तहत देर रात कवि सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें काव्य प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों को अभिव्यक्ति दी गई। समारोह में प्रमुख समाजसेवी सुरेश कुमार बंसल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अग्रवाल सभा भूना के प्रधान बृजलाल बंसल ने अतिथियों और कार्यक्रम में सहयोग देने वाले समाज के लोगों का आभार व्यक्त किया।



भूना। पुराने बस स्टैंड स्थित चौक पर प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए अग्रवाल बंधु।

श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

नवरात्र के पहले दिन गूंजे मां शैलपुत्री के जयकारे

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

शारदीय नवरात्र के पहले दिन रविवार को फतेहाबाद के मंदिरों में मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की गई। नवरात्र के शुभारंभ पर श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर माता के दर्शन किए और परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली तथा आरोग्य की कामना की। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा की और माता रानी के जयकारे लगाए। धार्मिक माहौल के बीच मंदिरों में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। शहर के दुर्गा मंदिर, श्री श्याम मंदिर, रघुनाथ मंदिर, गीता मंदिर, देवी मंदिर अशोक नगर, हनुमान मंदिर, शिवालय मंदिर सहित अनेक मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। नवरात्र के पहले दिन घरों में भी पूजा-पाठ का विशेष आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद पूजा स्थल की सफाई कर मां दुर्गा की प्रतिमा या तस्वीर के सामने दीप प्रज्वलित किया। कई घरों में घट स्थापना कर नौ दिनों तक चलने वाली पूजा का संकल्प लिया गया। भक्तों ने मां शैलपुत्री को पुष्प, फल, अक्षत और चुनरी अर्पित कर परिवार की सुख-शांति की प्रार्थना की। दिनभर श्रद्धालु मां के दर्शन और पूजा-अर्चना में जुटे रहे।



श्री श्याम मंदिर में सजा दरबार।

मां शैलपुत्री की पूजा से होती है नवरात्र की शुरुआत

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां शैलपुत्री नवदुर्गा का पहला स्वरूप हैं। पर्वतराज हिमालय की पुत्री होने के कारण उन्हें शैलपुत्री कहा जाता है। मां शैलपुत्री के एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे हाथ में कमल सुशोभित है। उनका वाहन वृषभ है, इसलिए उन्हें वृषारूढ़ा भी कहा जाता है। नवरात्र के पहले दिन उनकी पूजा को विशेष महत्व दिया जाता है। मान्यता है कि सच्चे मन से मां की आराधना करने वाले भक्तों को साहस, धैर्य और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। शारदीय नवरात्र के दौरान नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। पहले दिन मां शैलपुत्री की आराधना के बाद दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा होगी। इसके बाद मां चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की उपासना की जाएगी। नवरात्र के दौरान श्रद्धालु व्रत रखते हैं, दुर्गा सप्तशती का पाठ करते हैं और मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। शहर में नवरात्र के आगमन के साथ ही धार्मिक उत्साह दिखाई देने लगा है। श्रद्धालु इन नौ दिनों को आत्मिक शुद्धि, साधना और मां दुर्गा की आराधना के लिए विशेष मानते हैं। भक्तों ने माता रानी से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की।

खबर संक्षेप



सिरसा। साइकोलॉजिस्ट विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी देते हुए। फोटो : हरिभूमि

लॉर्ड शिवा कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

सिरसा। स्वास्थ्य विभाग सिरसा द्वारा जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2026 पर लॉर्ड शिवा कॉलेज, सिरसा में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सोशल वर्कर बलविंद्र सिंह एवं क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट कृतिका सैनी ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति के जीवन, पढ़ाई, व्यवहार, निर्णय लेने की क्षमता और सामाजिक संबंधों को प्रभावित करता है। इसलिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी आवश्यक है।

दिलजीत दोसांझ दिल्ली कॉन्सर्ट स्थगित करें

सिरसा। जिले के गांव मटदादू से पंचायती राज प्रतिनिधि रणदीप सिंह मट्टदादू ने पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ को एक खुला पत्र लिखकर आगामी 1 नवंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले उनके लाइव कॉन्सर्ट की तारीख को आगे बढ़ाने की पुरजोर अपील की है। उन्होंने यह अनुरोध नवंबर 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों, शहीदों और उनके परिवारों की भावनाओं के सम्मान में किया है। पत्र में रणदीप सिंह मट्टदादू ने दिलजीत दोसांझ की कला और वैश्विक स्तर पर पंजाबी संस्कृति को दी गई पहचान की सराहना करते हुए कहा कि दिलजीत ने हमेशा कौम और पंजाब के दर्द को गहराई से समझा है। उन्होंने याद दिलाया कि फिल्म पंजाब 1984 जैसी परियोजनाओं के जरिए दिलजीत ने इस त्रासदी और इसके अनसुलझे जख्मों को दुनिया के सामने पूरी संवेदनशीलता के साथ रखा था। मट्टदादू ने कहा कि नवंबर का पहला सप्ताह और विशेष रूप से 1 नवंबर का काफी महत्व है।

नशे के खिलाफ टोहानावासी एकजुट युवाओं ने दौड़ लगाकर दिया संदेश

■ सांसद सुभाष बराला ने ड्रग फ्री टोहाना एथलेटिक टूर्नामेंट का किया शुभारंभ, कलाकारों ने युवाओं का हौसला बढ़ाया

■ हरियाणवीं कलाकार नवीन पूनियां ने बढ़ाया युवाओं का उत्साह

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद



फतेहाबाद। ड्रग फ्री टोहाना एथलेटिक टूर्नामेंट में भाग लेते सांसद बराला व शहरवासी। फोटो : हरिभूमि

नशे के खिलाफ जन-जागरूकता बढ़ाने और युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के उद्देश्य से रविवार को टोहाना में ड्रग फ्री टोहाना एथलेटिक टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित नशा विरोधी दौड़ में हजारों युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और दौड़ लगाकर नशे से दूर रहने तथा टोहाना को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए टूर्नामेंट का शुभारंभ किया और युवाओं के साथ मैराथन में भाग लेकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। डीएसपी जयभगवान और उनकी टीम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हरियाणवी कलाकार नवीन पूनिया ने भी भागीदारी की। कलाकारों की मौजूदगी और युवाओं के उत्साह और कबड्डी खिलाड़ी शीलू की मौजूदगी ने आयोजन को जन-जागरूकता का प्रभावी मंच बनाकर सकारात्मक संदेश दिया।

सांसद सुभाष बराला ने युवाओं को नशा न करने की शपथ दिलाते हुए आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि नशे को ना और खेल को हां का संकल्प हर युवा को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और सकारात्मक सोच भी विकसित करते हैं। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि 'ड्रग फ्री टोहाना' का संकल्प तभी पूरा हो सकता है, जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति नशे के खिलाफ अपनी जिम्मेदारी समझे।

नशे का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ संबंधित अधिकारियों को सूचना देकर और जन-जागरूकता बढ़ाकर इस बुराई को जड़ से समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे।

नशा तस्करों को सहन नहीं किया जाएगा : सांसद

उन्होंने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति की जिंदगी बर्बाद नहीं करता, बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करता है। इसकी गिरफ्त में आकर युवा अपने सपनों, प्रतिभा और उज्ज्वल भविष्य से दूर हो जाते हैं। पड़ोसी राज्य पंजाब में नशे की समस्या के गंभीर परिणाम सामने आए हैं। इसलिए समय रहते इस चुनौती से निपटना और हरियाणा की युवा पीढ़ी को नशे से सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है। सांसद ने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशा न करने, दूसरों को भी इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करने और नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ जागरूक नागरिक की भूमिका निभाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि नशामुक्ति का लक्ष्य केवल टोहाना तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि हरियाणा के प्रत्येक गांव, शहर और परिवार को नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित बनाने के लिए निरंतर प्रयास होने चाहिए। इस अवसर पर एसडीएम आकाश शर्मा, डीएसपी जयभगवान, नगर परिषद अध्यक्ष नरेश बंसल, रोडवेज जीएम मनोज शर्मा, मंडल अध्यक्ष रमन मडिया, कुलदीप डांगरा, जिले सिंह बराला, सुरजीत चेयरमैन, कुलदीप सिंह, सरपंच गुरप्रीत सिंह, सहित शहर और आसपास के क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण पर किया मंथन

पटाखों के गोदामों पर कार्रवाई करे प्रशासन : जागो संस्था



फतेहाबाद। बैठक में भाग लेते जागो संस्था के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

■ जागो संस्था ने मुख्यमंत्री को भेजा मांग पत्र, पटाखों के उत्पादन, भंडारण और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पर्यावरण संरक्षण के नाम पर किसानों के खेतों में ड्रोन से निगरानी की जा रही है, तो पटाखों से फैलने वाले प्रदूषण पर भी सरकार को उसी सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। प्रदूषण रोकने के लिए नियम सभी के लिए समान होने चाहिए, न कि कार्रवाई का दायरा केवल किसानों तक सीमित रहे। यह मांग जागो संस्था ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर उठाई है। संस्था ने पटाखों के उत्पादन, भंडारण और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के साथ नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं पर पांच लाख रुपये तक का जुर्माना लगाने की मांग की है। पत्र में कहा है कि सरकार का दायित्व आमजन को स्वच्छ हवा और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध करवाना है। इसके लिए केवल अपील और जागरूकता पर्याप्त नहीं, बल्कि प्रदूषण फैलाने वाले सभी स्रोतों पर प्रभावी कार्रवाई जरूरी है। संस्था ने पॉलीथिन की तरह पटाखों पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए कहा कि पटाखे आमजन की मूलभूत जरूरत नहीं हैं। इनके धुएं और तेज आवाज से पर्यावरण के साथ लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है।

स्वास्थ्य के साथ हवा की गुणवत्ता पर भी चिंता

संस्था के प्रधान देवेंद्र दहिया, संरक्षक सुरेंद्र असीजा, रिछपाल तरड़, प्रदीप जांगड़ा, प्रमोद बजाज, सेवा सिंह मुवाल, भारत गोयल, मिथलेश रोहिला, विनोद, ब्राइट गोदारा व राजेंद्र ने पत्र में चिंता जताई कि अक्टूबर से दिसंबर तक प्रदूषण का स्तर बढ़ने से पहले ही लोगों को सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में पटाखों का धुआं स्थिति को और गंभीर बना सकता है।

किसानों के साथ पटाखा कारोबार पर भी हो निगरानी

जागो संस्था ने कहा कि पराली प्रबंधन के लिए ड्रोन से निगरानी करना अच्छी पहल है, लेकिन इसके साथ पटाखों के भंडारण और बिक्री पर भी सख्त निगरानी होनी चाहिए। संस्था ने आरोप लगाया कि पटाखों के बड़े गोदामों के खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही। संस्था के अनुसार, प्रदूषण नियंत्रण में किसी वर्ग के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए।

टैलेंट हंट प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ चौपटा



सिरसा। टैलेंट हंट-2026 कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

चौधरी केआरएम डिग्री कॉलेज फॉर गर्ल्स, जमाल में प्रधान राजेश कुमार, निदेशक वेद प्रकाश गुप्ता तथा प्राचार्य डॉ. कृष्ण लाल गुप्ता के निर्देशन में टैलेंट हंट-2026 कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत हरियाणवी गुरप डांस, हरियाणवी सोलो डांस, पंजाबी गिद्दा, सोलो डांस, सोलो सिंगिंग तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। छात्राओं ने प्रत्येक प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा से उपस्थित जनों को प्रभावित किया। मंच संचालन कविता (हिंदी विभाग) एवं पूजा ने किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन नरेश कुमार तथा कविता (लाइब्रेरी) और कविता (इतिहास विभाग) के सहयोग से किया गया। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी एवं सफल क्रियान्वयन में रश्मि, अमन बाला, रेणु बाला, सुशीला हुड्डा, विनोद, रविंद्र, दलबीर, सोनिया, कृष्णा, संगीता एवं पूनम व अन्य ने अहम भूमिका निभाई।

मंडियों में किसानों को नहीं होने देंगे परेशानी : रातुसरिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

■ सरकार ने मंडियों में फसल खरीद के किए उचित प्रबंध



सिरसा। अनाज मंडी में खरीद का जायजा लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

क्षेत्र के किसानों की सुविधा के लिए मार्केट कमेटी सिरसा द्वारा विशेष तौर पर केवल पी.आर धान की सरकारी खरीद करवाने के लिए निर्माणाधीन अतिरिक्त अनाजमंडी बाईपास डबवाली-दिल्ली रोड एनएच-9 में खरीद करवाने के प्रबंध किए गए हैं। मुख्यातिथि के रूप में भाजपा नेता प्रदीप रातुसरिया, इंद्रपाल जांगड़ा, जनकराज शेरपुरा, अशोक शर्मा, सुशील रहेजा, पाला कंबोज, गुरजंट सिंह गिल, राजू ढिढारिया, अनिल खोथ, दीपक खोथ द्वारा मंडी में हैफेड खरीद एजेंसी को सरकारी खरीद शुरू करवाई गई। इस मौके पर सचिव एवं कार्यकारी अधिकारी मार्केट कमेटी सिरसा, खरीद एजेंसी हैफेड अधिकारी, मिल संचालक, प्रधान आढ़ती एसोसिएशन सिरसा प्रेम बजाज तथा मंडी के आढ़ती उपस्थित रहे। प्रदीप रातुसरिया ने कहा कि सरकार की ओर से मंडी में सभी मूलभूत सुविधाएं जैसे पीने का पानी, शौचालय, लाइटें इत्यादि पूर्ण करवा दी गई हैं। रातुसरिया ने कहा कि मंडियों में किसानों की सुविधा के लिए पीने के पानी, बारदाने की उपलब्धता, बिजली और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था की गई है ताकि मंडियों में आने वाले किसी भी किसान या जमींदार को असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने मंडी अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों से अपील की कि वे फसल खरीद के साथ-साथ मंडियों से फसल के उठान की प्रक्रिया में भी तेजी लाएं।



भारत को जानो प्रतियोगिता में भूना के विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

भूना। विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना, भारतीय संस्कृति और देश के गौरवशाली इतिहास के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद की भूना शाखा की ओर से राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में खंड स्तरीय 'भारत को जानो' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें वरिष्ठ और कनिष्ठ वर्ग की 16 स्कूलों की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने अपने ज्ञान और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में जिला परिषद प्रतिनिधि सुभाष खिचड़ मुख्य अतिथि रहे, जबकि सरपंच रामकुमार गोदारा और सरपंच जोगिंद्र सिंह ओला विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे। अध्यक्षता भारत विकास परिषद के प्रांतीय संयोजक हुकुमचंद गोयल ने की। बरवाला शाखा के पूर्व अध्यक्ष शिवकुमार कौशिक पर्यवेक्षक रहे और संयोजक सुशील गिरधर ने प्रतियोगिता की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भूना की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शांति निकेतन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भूना की टीम दूसरे स्थान पर रही। वहीं, कनिष्ठ वर्ग में सनशाइन पब्लिक स्कूल, भूना की टीम प्रथम रही।

शहीद गुरतेज सिंह की स्मृति में बादलगढ़ में ग्राम स्तरीय खेल प्रतियोगिता आयोजित

रतिया। भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स अकादमी, बादलगढ़ के तत्वावधान में अमर शहीद गुरतेज सिंह की स्मृति में ग्राम स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में गांव और आसपास के युवाओं ने खेल भावना के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में ब्लॉक समिति चेयरमैन विकास भवानीखेड़ा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि गांव के सरपंच सतगुर चहल विशेष रूप से मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विकास भवानीखेड़ा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक हैं, बल्कि ये युवाओं को सही दिशा में ले जाने का सबसे सशक्त माध्यम भी हैं। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को नशे जैसी सामाजिक बुराई से पूरी तरह दूर रहकर खेलों में अपना करियर बनाना चाहिए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स अकादमी और गांव के खिलाड़ियों के विकास व खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए उनका सहयोग सदैव जारी रहेगा। सरपंच सतगुर चहल ने शहीद गुरतेज सिंह की शहादत को नमन करते हुए युवाओं को खेल भावना से खेलने और गांव का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गांव के खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास और बुनियादी सुविधाओं के लिए ग्राम पंचायत पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मास्टर अनिल कुमार, ब्लॉक समिति सदस्य अमन, सुखदेव सिंह, विकास मेहता, निक्का सिंह, जग्गा सिंह, डॉ. कुलवंत, गगू गिल तथा समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे और उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।



श्री अग्रवाल परिवार सेवा ट्रस्ट ने लगाया मेडिकल कैंप

सिरसा। श्री अग्रवाल परिवार सेवा ट्रस्ट, सिरसा द्वारा महाराजा अग्रसेन की 5180वीं जयंती के अवसर पर रविवार को सनातन धर्म मंदिर, परशुराम चौक, सिरसा में मेडिकल कैंप आयोजित किया गया। ट्रस्ट के प्रवक्ता कमल सिंगला ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यातिथि पूर्व राज्यपाल प्रोफेसर गणेशीलाल थे जबकि अध्यक्षता मनीष बंसल, डायरेक्टर जनरल स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा सरकार रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विकास सिंगला, चेयरमैन एक्सट्रा पावर टूल ने उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8.15 बजे हवन यज्ञ से हुआ, जिसमें ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ-साथ समाज के महानुभावों ने भी आहूति डाली। इसके बाद 10.30 बजे मेडिकल कैंप का शुभारंभ किया गया जिसमें फोर्टिस हॉस्पिटल मोहाली की विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा सैकड़ों मरीजों की स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ उचित परामर्श दिया। कैंप में कार्डियक, ऑर्थो, यूरोलॉजी, न्यूरो एवं स्पाइन सर्जरी के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सेवाएं दी। मुख्यातिथि प्रो. गणेशीलाल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने समाज में समाजवाद और रामराज्य की स्थापना की थी।

कुटिया शांत सरोवर में योग शब्दानंद महाराज के जन्मोत्सव पर लगा शिविर

फतेहाबाद। टोहाना के रामनगर स्थित कुटिया शांत सरोवर में श्री श्री 1008 योग शब्दानंद महाराज जी के 113वें पावन प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में नौ दिवसीय योग जन्म महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इसी कड़ी में रविवार को कुटिया परिसर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं व संगत ने रक्तदान कर मानवता का संदेश दिया। मानव सेवा संगम द्वारा रक्त एकत्रित किया गया। कार्यक्रम में कुटिया के धर्म प्रमुख एवं संचालक संत सुखदेवानंद महाराज ने बताया कि श्री योग शब्दानंद महाराज जी का पावन जन्मोत्सव 6 से 14 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। चौथे नवरात्र पर गुरुदेव का जन्म दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। नौ दिन तक रोजाना सामाजिक भलाई के कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले दिन ध्वजारोहण का भव्य कार्यक्रम हुआ, दूसरे दिन संगम अस्पताल में दिव्यांग बच्चों को बैग व स्टेशनरी वितरित की गई, इसके बाद ब्रह्मभोज का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर लगाया गया ताकि जरूरतमंदों के काम आ सके। रविवार को कन्या पूजन का हुआ। प्रतिदिन सुबह 5 से 7 बजे तक और शाम साढ़े 4 से 7 बजे तक सत्संग प्रवाह चल रहा है, जिसमें टोहाना के अलावा हिसार, फतेहाबाद, जाखल, दिल्ली तक से संगत पहुंच रही है। वहीं हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल शाखा टोहाना के प्रधान राजेंद्र ठकराल ने कहा कि योग शब्दानंद महाराज जी के 113वें जन्मोत्सव पर यह रक्तदान शिविर हर्ष और खुशी का विषय है। सभी रक्तवीरों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और कुटिया की पूरी टीम समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रही है। उन्होंने कुटिया के प्रधान मूलचंद बत्रा व समस्त संगत को बधाई दी।



धूमधाम से मनाई गई महाराजा अग्रसेन जयंती, प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

रतिया। अग्रवाल सभा रतिया के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन की जयंती मेन बाजार स्थित अग्रवाल धर्मशाला में बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह वैदिक मंत्रोचार के बीच आयोजित हवन-यज्ञ से हुआ। समाज के बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं ने यज्ञ में आहुति देकर विश्व शांति, समाज की एकजुटता और शहर की सुख-समृद्धि की कामना की। हवन संपन्न होने के उपरांत सभी उपस्थितजनों के बीच प्रसाद वितरित किया गया। तत्पश्चात सभी अग्रवाल बंधु अग्रसेन चौक पहुंचे और महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया तथा उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया। इस मौके पर अग्रवाल सभा के प्रधान प्रमोद बांसल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने 'एक रुपया और एक ईंट' का ऐतिहासिक सिद्धांत देकर सबको साथ लेकर चलने वाले समतामूलक समाज की स्थापना की थी। उनका त्याग, बंधुत्व और समानता का संदेश आज भी प्रासंगिक और प्रेरणादायक है।

श्री सियाराम चैरिटेबल क्लब में रामलीला का आगाज

सिरसा। रामलीला श्री सियाराम क्लब के तत्वावधान में भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र पर आधारित रामलीला का शुभारंभ ट्रेड टॉवर मार्केट में हुआ। क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार उर्फ पप्पू रांझा, संस्थापक रोशनलाल फुटेला, संरक्षक अजय ऐलावादी, कुलवंत तनेजा, रोहताश वर्मा, रोमी सेठी, राहुल शर्मा, डॉ. कमल लढा, प्रदीप मेहता, तरसेम लूना, सागर तनेजा, पवन लढा, गुरविंद्र सिंह, हन्नी सेठी, पवन लढा ने कहा कि श्री सियाराम क्लब रामलीला के स्थानीय कलाकार पिछले चार सालों से अपने अभिनय से प्रतिभा की जो छाप छोड़ रहे हैं, वह अनुकरणीय है। उन्होंने उपस्थित दर्शकों से आह्वान किया कि वे श्री सियाराम क्लब के मंच पर जो सद्प्रेरणाएं भगवान श्रीराम के जीवन से हासिल होती हैं, उन्हें अपनाएं। उन्होंने भगवान श्रीराम से सभी के जीवन में सुख,समृद्धि और सभी के लिए बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। श्री सियाराम क्लब के मंच पर प्रथम दिन लंका नरेश रावण का अहंकार टूटने, वेदवती व रावण का संवाद रोचक तरीके से दर्शाए गए जिन्हें दर्शकों ने खूब पसंद किया। रावण की भूमिका मनोज सोनी ने निभाई जबकि वेदवती की भूमिका बेबी खुशबू ने निभाई।

फतेहाबाद में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए जुटाया 35 यूनिट रक्त

फतेहाबाद। थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के उपचार में रक्त की जरूरत को पूरा करने के उद्देश्य से पूर्ण सोसायटी और जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया गया। रतिया चुंगी रोड स्थित श्री अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम मंदिर में आयोजित शिविर में 35 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर सुबह 10 बजे शुरू हुआ और दोपहर एक बजे तक चला। इस दौरान रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की मदद के लिए योगदान दिया।सोसायटी के प्रधान सन्नी बंसल और समाजसेवी सुदर्शन नरूला ने बताया कि शिविर में वरिष्ठ भाजपा नेता भारत भूषण मिढ़ा और फतेहाबाद के पूर्व विधायक दुड़ाराम मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने रक्तदाताओं के इस प्रयास की सराहना की और लोगों से जरूरतमंदों की सहायता के लिए रक्तदान करने की अपील की।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8295154800, 9315429403, 9253681005

शोभायात्रा में 751 महिला एवं पुरुष ध्वजा लेकर हुए शामिल

श्रद्धा एवं उल्लास से मनाई अग्रसेन जयंती

■ पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल ने धर्मध्वजा दिखाकर यात्रा को किया रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा



सिरसा। शोभायात्रा में शामिल महिलाएं, अग्रसेन महाराज व श्याम बाबा का भव्य रुप से सजा रथ तथा झांकी। फोटो : हरिभूमि

महाराजा अग्रसेन महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में श्री अग्रवाल सभा के साथ अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा जिला सिरसा, अग्रवाल चैरिटेबल समाज सिरसा इकाई, इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन तथा श्री अग्रवाल परिवार सेवा ट्रस्ट, सिरसा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को श्री श्याम बगीची धाम से भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम से आरंभ हुई। कार्यक्रम में उड़ीसा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की। अग्र बंधुओं को हरिद्वार से आए स्वामी अच्युतानंद तीर्थ महाराज कार्यक्रम में पहुंचकर अग्र बंधुओं को आशीर्वाद दिया। इसके अलावा उपरोक्त संस्थाओं के प्रधान मनीष सिंगला, सुरेंद्र बांसल, गौरव गोयल, जितेंद्र गुप्ता, मनीष गुप्ता, सुशील कंदोई, अनिशा गोयल, प्रदीप रातुसरिया, नीरज रोहतकी, आनंद बियानी, राजकुमार झुंथरा, रोहित गनेरीवाला, अंजनी कनोडिया, चेयरमैन रोहताश जांगड़ा सहित नगर के अनेक गणमान्यों ने शिरकत की। शोभायात्रा श्याम बगीची से आरंभ होकर अनाज मंडी रोड, शिव चौक, सुरतगढिया चौक, घंटाघर चौक, भगत सिंह चौक से मुख्य बाजारों से होते हुए श्याम बगीची में पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में रथ पर महाराजा अग्रसेन महाराज, श्री श्याम बाबा, शिव परिवार, हनुमान जी, मां काली, गणेश जी झांकिया सजाई गई। इसके अलावा मां काली, शिव भोले, हनुमान जी, राधा-कृष्ण की झांकिया आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा में 751 से अधिक महिला एवं पुरुष हाथों में धर्म ध्वजा लेकर शामिल हुए। शोभायात्रा का नगर में जगह जगह पर भव्य स्वागत किया गया। रात को श्याम बगीची में भजन संध्या, भंडारे एवं डांडिया का आयोजन किया गया। बठिंडा से गायिका आरती खन्ना अपनी मधुर भजनों की प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर किया।